आचार्य महाश्रमण की शासन शैली को अपनाये

भिक्षु साधना केन्द्र में आचार्य महाश्रमण के ५० वें जन्म दिवस को अमृत महोत्सव के रूप में मनाया

न्यूज छापर, तेरापंथ धर्मसंघ के जन सम्पर्क प्रभारी मुनि जयन्त कुमार ने कहा कि आचार्य महाश्रमण एक कुशल अनुशास्ता है जो अपनी विशिष्ट शासन शैली के जरिये विशाल शिष्य समुदाय व श्रावक-श्राविका समाज को दिशा निर्देश देते है। मुनि जयन्त कुमार सोमवार को कस्बे के भिक्षु साधना केन्द्र में शासनश्री मुनि सुमेरमल सुदर्शन के सानिध्य में आयोजित आचार्य महाश्रमण के ५० वें जन्म दिवस के उपलक्ष में श्रावक समाज को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भीड़ जुटाई जा सकती है लेकिन उस भीड़ में अनुशासन के बीज उत्पन्न करना व एक इंगित पर अपने आपको न्यौछावर करने का समर्पण भाव विकसित करना बेजोड़ है। जैन मुनि ने कहा कि अगर राष्ट्र का शासक वर्ग आचार्य महाश्रमण की शासन शैली को अपना ले तो देश नई ऊंचाईयों को छू सकता है। उन्होंने कहा कि वर्तमान में भ्रष्टाचार उन्मूलन के सन्दर्भ में जो आन्दोलन चलाये जा रहे है वे वातानुकूलित भवनों व महानगरों के पाण्डालों से संचालित होते है वहीं आचार्य महाश्रमण मेवाड़ी घाटियों की पथरीली पगडंडियों पर पद यात्रा कर जो इमानदारी का बिगुल बजा रहे है वह जमीनी स्तर का कार्य है जिसके दूरगामी परिणाम प्राप्त होंगे। इससे पूर्व शासनश्री मुनि सुमेरमल ने कहा कि उनका सौभाग्य है कि आचार्य महाश्रमण के आचार्य पद ग्रहण करते समय उन्हें उनको आचार्य पद की चादर ओढ़ाने का अवसर मिला। इस अवसर पर मुनि तन्मय कुमार, अमृत सांसद रणजीत दूगड़ व तेयुप के अध्यक्ष आलोक नाहटा ने अपने वक्तव्य में आचार्य महाश्रमण के व्यक्तित्व व कृतित्व पर प्रकाश डाला जबकि तेरापंथ महिला मण्डल की बहिनों ने गीतिका के माध्यम से अपनी अभिव्यक्ति जताई।

फोटो -३०सीएचपीआर१

केप्सन - जैन श्रावकों को सम्बोधित करते मुनि जयन्त कुमार।